

Scanned with CamScanner

अधिकारों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल महोदय निम्नलिखित स्पेशल सैंड एक्जीजिशन आर्किट्स को उक्त ऐक्ट के अधीन कलेक्टर के अधिकारों का प्रयोग के सागने उल्लिखित जिले में प्रयोग करने के लिये अधिकृत करते हैं जब तक कि वे स्पेशल सैंड एक्जीजिशन आर्किट्स के पद पर नियुक्त रहें :-

क्रम-सं०	अधिकारों का नाम	जिला
१	श्री अम्बा प्रसाद	मनारस।
२	" प्रिलोक सिंह	फाजाबाद।
३	" फौज हुसैन	शांसी।
४	" दीनानाथ शर्मा	गोरखपुर।

२४ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ५६२१/१-अ-८०६-५५-सैंड एक्जीजिशन ऐक्ट, १८६४ (ऐक्ट संख्या १, १८९४) की धारा ३ के खंड (सो) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल महोदय श्री कृष्ण सागर त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर, बस्ती को उक्त ऐक्ट के अधीन जिला बस्ती में कलेक्टर के अधिकारों का प्रयोग करने के लिये अधिकृत करते हैं।

वन विभाग

छुट्टी

२३ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ३९२०/१४-६०(१)-५५-श्री आर० एन० गंगोला, पी० एफ० एस०, डिप्टी कमरवेटर आफ फारेस्ट्स को २२ सितम्बर, १९५५ ई० से ३१ दिन की उपाधित छुट्टी दी जाती है और उन्हें २३ से २६ अक्टूबर, १९५५ ई० रविवार तथा अन्य गजट पर छुट्टियाँ उस छुट्टी के साथ तानालित करने की आशा दी जाती है।

नियुक्ति

२३ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ३९२०(२)/१४-६०(१)-५५-कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से श्री श्रीधरा, पी० एफ० एस०, सतिस्टेंट कमरवेटर आफ फारेस्ट्स को श्री आर० एन० गंगोला, पी० एफ० एस० के स्थान पर, जिनकी छुट्टी दी गई है, स्थानापन्न डिप्टी कमरवेटर आफ फारेस्ट्स, कालागढ़ फारेस्ट डिबिजन नियुक्त किया जाता है।

विविध

२३ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ३२०८/१४-उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय का यह मत है कि इंडियन फारेस्ट ऐक्ट, १९२७ (ऐक्ट सं० १६, १९२७) की धारा २६ की उपधारा (३) के अधीन अपेक्षित जांच करने और अभिलेख तैयार करने में इतना अधिक समय लगेगा कि उस बीच में राज्य सरकार के अधिकारों के बाधित होने की आशंका है।

अतएव अब यह उपर्युक्त उपधारा के प्रतिवन्धनात्मक खंड द्वारा तथा उपर्युक्त ऐक्ट की धारा ८०-ए के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (१) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करके ऐसी जांच होने और अभिलेख तैयार होने तक उक्त ऐक्ट के चेंप्टर ४ के निदेश इससे संलग्न प्रतुसूची में निर्दिष्ट भूमि पर लागू प्रस्थापित करते हैं।

अनुसूची

क्रम-संख्या	भूमि का नाम जो भारतीय वन ऐक्ट परिच्छेद ४ के अन्तर्गत रक्षित वन घोषित की गई है	जिला	रुड़क की लम्बाई मीलों में	सीमा का वर्णन
१	पंड टंक रोड, मोल ५६२/० से लेकर मोल ६६३/० तक	कागपुर	मी० फ० की० ७१ ० ०	जमीन की हदबन्दी परपर या सीमेंट के स्तम्भों या लाइनों द्वारा उस स्थान पर की गई है।
२	कानपुर-फाल्गुनी सड़क, मोल ५२/० से लेकर मोल ६६/० तक	"	४४ ० ०	"
३	कानपुर-हमीरपुर सड़क, मोल २/० से लेकर मोल ३९/० तक	"	३७ ० ०	"
४	मोहम्मद रोड, मोल ११६/० से मोल १७३/० तक	"	५४ ० ०	"
५	तखनऊ-कानपुर सड़क, मोल /० से लेकर मोल ४६/३-६४० फीट तक	तखनऊ और उन्नाव	४६ ३ ६४०	"
६	तखनऊ-बरेली सड़क मोल /० से लेकर मोल १५२/० तक	तखनऊ, सीतापुर, झांसी	१५२ ० ०	"
७	तखनऊ-प्रतापगढ़ सड़क, मोल /० से लेकर १०८/० तक	तखनऊ, रायबरेली, प्रतापगढ़	१०८ ० ०	"
८	तखनऊ-मुल्तानपुर सड़क, मोल /० से लेकर मोल ८५/१-२२८ फीट तक	तखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी और मुल्तानपुर	८५ १ २२८	"
९	तखनऊ-फाजाबाद सड़क, मोल /० से लेकर मोल ७६/३-३६६ फीट तक	तखनऊ, बाराबंकी और फाजाबाद	७६ ३ ३६६	"

प्रभागीय निदेशक
सांकावन प्रभाग

क्षेत्रीय वन अधिकारी
रंज हैदरगढ़

क्षेत्रीय वन अधिकारी
रामसनेहीघाट